योग्य वर की तलाश में केवल नौकरी को प्राथमिकता देना ठीक नहीं

विशाल जैन, पवा । गोलालारीय दर्शन के विगत अप्रैल 2019 अंक में पत्रिका की सह संपादिका अनुपमा जैन ने ''योग्य वर वधू की तलाश-आज के परिवेश में'' कॉलम के माध्यम से समाज की ज्वलंत समस्या को उठाया है । जो निश्चित ही सभी के लिए विचारणीय हैं । जिसकी एक पंक्ति ने बहुत अधिक प्रभावित किया है कि छोटे शहर या कस्बे में रहने वाले, स्वयं का पारम्परिक व्यवसाय संभालने वाले परिवारों का जीवन स्तर भी कई बार बहुत अच्छा है । उनके आर्थिक संघर्ष भी बड़े शहरों की तुलना में कम होते हैं । यह बात जो कि यथार्थ सत्य है सभी को समझने की आवश्यकता है । आज बेटी के लिए योग्य वर की तलाश में माता-पिता नौकरी को बहुत अधिक तवज्जो दे रहे हैं यह गलत है। मैं ऐसे वर को गलत नहीं ठहरा रहा हूँ बल्कि उस प्राथमिकता को गलत ठहरा रहा हूँ जो नौकरी करने वाले को व्यवसाय संभालने वाले वर से अधिक दी जा रही है । जबकि यदि चिंतन किया जाये तो व्यवसाय संभालने वाले वर के पक्ष में अधिक सकारात्मक पहलू हैं ।

सर्वप्रथम तो धार्मिक दृष्टि से नौकरी की अपेक्षा व्यवसाय अधिक उत्कृष्ट कार्य है तत्पश्चात विचार कीजिये तो अर्थ की दृष्टि से भी सामान्य व्यापार सामान्य नौकरी से एवं बड़ा व्यापार नौकरी से अधिक अच्छा है क्योंकि सामान्य व्यापारी की आय लगभग दो वेतन से अधिक होती है । एक अन्य बात जिस परिवार में व्यापार है तो उसका भविष्य भी बेहतर है क्योंकि आने वाली पीढ़ी अपना व्यापार तो संभाल ही सकती है लेकिन आरक्षण के इस युग में कोई जरुरी नहीं कि सामान्य वर्ग के बच्चों को नौकरी मिल ही जाये । फिर सोचो कि उसे नया व्यापार स्थापित करने में कितनी समस्या होगी । अत: हम तर्क सहित कह सकते है कि योग्य वर की तलाश में व्यापार से अधिक नौकरी को तवज्जों देना ठीक नहीं है । आज के परिवेश में समस्याओं की कोई कमी नहीं है । जिसे अकेले वहन करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है, अत: हमें संयुक्त परिवार को प्राथमिकता देना चाहिए क्योंकि समस्या हर स्थिति में है तो बेहतर विकल्प यही है कि मिलजुलकर समस्याओं का सामना किया जाये । सबसे बेहतर विकल्प है कि अपनी बेटी के लिए ऐसे वर का चयन करें जिस परिवार का एक भाई नौकरी में और दूसरा व्यापार में हो ऐसी स्थिति में समस्यायें बहुत कम हो जाती है । लेकिन वर का चयन करते समय हमें उनमें भी भेदभाव करने की आवश्यकता नहीं है । प्राय: देखा जाता है कि नौकरी की प्राथमिकता पर बेटी की तुलना में कम सुंदर वर का चयन कर लिया जाता है, लेकिन संस्कारों से वशीभूत बेटी एतराज नहीं कर सकती लेकिन मन ही मन कुंठित हो सकती है । शायद इसका किसी को एहसास नहीं, अत: आज की पीढ़ी हम दो हमारा एक या एक बेटा एक बेटी को प्राथमिकता दे रहा है लेकिन वह यह नहीं सोचते कि बिना भाई के इसका जीवन कितनी पारिवारिक जिम्मेदारी एवं मुश्किलों से भरा होगा, इस और विशेष रुप से ध्यान देने की आवश्यकता है ।

साधर्मी वात्सल्य योजना - एक आत्मीय निवेदन

यह तो आप जानते ही हैं कि प्रत्येक माता पिता के लिए उनके बच्चें उन्हें अपने प्राणों से भी ज्यादा प्यारे होते है । वे सब कुछ खोकर भी बच्चों को बड़ा और अच्छा इंसान बनाना चाहते है । उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जब आपने उन्हें अपने नगर से बाहर पढ़ाने की भावना रखी तब से ही आपको कई रातों तक नींद नहीं आई होगी । उनके रहने, खाने, आने जाने जैसी सब बातों को सोच सोचकर मन में एक ही बात बार-बार आती थी कि बच्चें अच्छी और सच्ची, उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पायेंगा तो उनका भविष्य कैसे महान बन पायेगा । हमने तो जैसे तैसे अपना जीवन यापन करन लिया किन्तु बच्चों को कलेक्टर, जज, डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, सीएस, शिक्षक इत्यादि अफसर तो बनाना ही है । जानते हैं कि माता पिता से अलग रहकर पढ़ना कोई सरल कार्य नहीं है । अपना सब परिवारजन, मित्रों, सहपाठियों को छोड़कर वहां बसना जहां अपना कोई न हो आपने स्वीकार किया । क्योंकि आप भी चाहते है मुझे कुछ ऐसा करना है कि जिससे मेरे माता पिता, समाज, नगर का नाम रोशन हो सके ।

शहरी वातावरण में रहते हुए आपको यहां भी कुछ अपनापन मिल सके इस हेतु धर्म के माता पिता के रूप में कोई श्रावक श्राविका आपके सहयोगी बन सके इसी मंगल भावना से ''साधर्मी वात्सल्य योजना'' का प्रारंभ किया गया है । यदि आप चाहते है कि हमारा जीवन बुराइयों से बच सकें, सत्संगति का लाभ मिलें, हमारी शिक्षा संस्कारों से परिपूर्ण एक आदर्श जीवन शैली का कारण बनें, हमे परिवार जैसा संरक्षण मिल सके तो आप भी हमारे इस अभियान से जुड़े । हम ऐसे साधर्मी श्रावकों से आपका परिचय करा देंगे जो आपके धर्म के माता पिता बनकर अध्ययन काल तक आपके सहयोग संरक्षण के लिए तत्पर रहेंगे । हमारी भावना का आदर करते हुए इस योजना से जुड़ने के लिए संपर्क करे - नागेन्द्र जैन 9425074782, सीए आशीष जैन 9425312972, सीएस अभय जैन 9039351139, मिली जैन 9926058201, डॉ. शिवानी जैन 6268836364, एम.के. जैन एलआईसी 9425804534, प्रोफेसर विशाल जैन 9893642096, अभिषेक जैन 9827075715

भगवान के दर्शन करने वाला व्यक्ति असाधारण होता है ।

जिनेन्द्र भगवान के मंदिर में दर्शन पूजन को आने वाले किसी भी साधारण व्यक्ति को साधारण न समझें वह असाधारण हैं । पुण्यहीनों को भगवान के दर्शन नहीं मिला करते हैं। जो सौभाग्यशाली हैं, पुण्यात्मा हैं उन्हें ही भगवान के दर्शन और पूजन का अवसर मिलता है । इसीलिए अपने सौभाग्य के जागरण को वीतरागी भगवान के दर्शन पूजन का पुरुषार्थ अवश्य ही करना चाहिए । दिल्ली के सफदरगंज हॉस्पिटल में न्यूरोलॉजी के विभागाध्यक्ष रहे डॉ. डी.सी. जैन ने यह बात गोलालारीय दर्शन पत्रिका के परामर्श प्रमुख व दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक कैलाशचंद्र जैन से विशेष भेंट वार्ता में कही । उन्होंने कहा कि भगवान की पूजा का मतलब अपने आपको प्रभू चरणों में झुका देना और समर्पित हो जाना है । क्योंकि ''पश्चयति पुण्य रहिता न वीतराग'' अर्थात पुण्यहीन को वीतरागी भगवान के दर्शन नहीं हुआ करते हैं । जो भी अपने ज्ञान का अहंकार करते हैं उनका पतन हो जाता है । इसलिए परमात्मा में अगाध श्रद्धा का जागरण करिएगा । मन लगे या न लगे प्रभू के चरणों में झुके रहने से एक न एक दिन अवश्य ही कल्याण का मार्ग मिल जाता है । भारत के स्वास्थ्य मंत्री रहे सी.पी. ठाकुर का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि सफदरगंज हॉस्पिटल का नाम तीर्थंकर वर्धमान महावीर के नाम से किया जाना भगवान महावीर की अहिंसा का बहुत बड़ा संदेश हैं । उन्होंने कहा कि अहिंसा परम धर्म है और आज के युग में भी किसी भी असाध्य कार्य को अहिंसा के बलबूते साध्य किया जा सकता है । बीमारियों की रोकथाम के लिए शाकाहार अपनाने अंडा, शहद का प्रयोग रोकने में कारगर बताते हुए उन्होंने कहा कि लेब मीट या फ्रेश मीट कैंसर का कारण है । यह तथ्य चाइना के विशेषज्ञों के शोध से प्राप्त हुआ है । लंबे व स्वस्थ जीवन के लिए शाकाहार को अपनाना चाहिए । आगामी अक्टूबर माह में दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक कान्फ्रेंस की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि त्रिदिवसीय इस कान्फ्रेंस में विश्व के कई देशों से विशेषज्ञ भाग लेंगे । जिसमें आत्मा व आध्यात्म के विषय में व्यापक जानकारी जावेगी । उल्लेखनीय है कि डॉ. डी.सी. जैन देश के प्रसिद्ध न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ है और मरीजों के शरीर उपचार के साथ साथ व उन्हें शाकाहार व अहिंसा की ओर प्रेरित करते हुए रात्रि भोजन, अंडा, शहद आदि के सेवन का निषेध करने की सीख भी देते हैं । सेवानिवृत्ति पश्चात जिनेन्द्र भगवान की पूजा भक्ति स्वाध्याय करते हुए आज भी वे अपने के-16, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली के क्लिनिक में मरीजों की नियमित रुप से जांच कर योग्य सलाह देते हैं। संकलन - प्रवीणकुमार जैन, दैनिक विश्व परिवार

* विनम्र श्रद्धांजली *

स्व. सिंघई धन्नालाल जैन देवरान वालों की धर्मपत्नी **श्रीमती शांतीबाई जैन** का देवलोकगमन 28 अप्रैल को ललितपुर में हो गया । आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखती थी । आपकी स्मृति में परिवारजनों ने ललितपुर क्षेत्र के आसपास के सभी तीर्थों में राशि दान की है ।

स्व. श्री सुनील कुमार जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती शर्मिला जैन** का देवलोकगमन 7 मई को इन्दौर में हो गया ।

डॉ. देवकीनंदन जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती लक्ष्मीबाई जैन** का देवलोकगमन 18 मई को कटेरा हो गया । आप अत्यंत धार्मिक स्वभाव की महिला थी । श्री 1008 शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र सेरोंनजी में तीर्थंकर बालक की मां (भगवान के माता पिता) बनने का सौभाग्य मिला था ।

स्व. श्री प्रकाशचंद जैन नौहरकलां वालों के सुपुत्र **श्री मनोज कुमार जैन** का देवलोकगमन 26 मई को ललितपुर में हो गया ।

स्व. शिखरचंद जैन के ज्येष्ठ पुत्र **श्री संदीप कुमार जैन** का अल्पायु में आकस्मिक देवलोकगमन 25 जून को इन्दौर में हो गया । आप मिलनसार व्यक्तित्व थे ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है ।

बधाईयाँ

भोपाल गोलालारीय समाज के अध्यक्ष, देवगढ़ (ललितपुर) ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट, हबीबगंज के संयोजक श्री प्रदीपकुमार जैन नौहरकलां ने देवगढ़ में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के प्रवचन हॉल निर्माण हेतु भूमि पूजन किया । यह प्रवचन हॉल 1 करोड़ की लागत से निर्मित होगा । इसके पूर्व भी आपने इस क्षेत्र के विकास में आपकी सतत व सक्रिय भूमिका रही है ।

* एनी समीर जैन ने तैराकी की 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा में रिकार्ड समय में 00.34.60 मिनिट का नेशनल रिकार्ड बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया । एनी ने 2012 में बने रिकार्ड को तोड़कर अपना समय सुधार कर 00.34.60 मिनिट में स्पर्धा अपने नाम की है । आप गोलालारीय दर्शन के संरक्षक सदस्य श्री सुरेशचंद जैन एसबीआई वालों की पौत्री है ।

* प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य व दैनिक विश्व परिवार रायपुर के संपादक प्रदीप कुमार जैन को नवगठित उत्तरप्रदेश राज्य प्रेस मान्यता समिति का सदस्य नामित किया गया है । वे उत्तरप्रदेश राज्य मान्य समिति की बैठको में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में सहभागिता करेंगे ।

* प्रवीण कुमार जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मनोनीत - भारत में दिगम्बर जैन समाज की संसद संस्था दिगम्बर जैन महासमिति में प्रवीण कुमार जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मनोनीत किये गये है । झांसी जैन पंचायत के महामंत्री श्री प्रवीण कुमार जैन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष के मनोनयन से बुंदेलखंड को पहली बार गौरवशाली स्थान प्राप्त हुआ है ।